प्रेस नोट

दिनांक 16 मई 2023 को पशुपालन विभाग उत्तराखंड द्वारा सर्वे ऑफ इंडिया के हाथीबड़कला ऑडिटोरियम में पशुचिकित्साविदो के लिए लम्पी स्किन डिजीज प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मा मंत्री वन,तकनीकी शिक्षा, भाषा एवं निर्वाचन उत्तराखंड सरकार श्री सुबोध उनियाल जी एवं माननीय मंत्री पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, गन्ना विकास और चीनी उद्योग प्रोटोकॉल कौशल विकास और रोजगार उत्तराखंड सरकार श्री सौरभ बहुगुणा जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए मुख्य अतिथि मा मंत्री वन,तकनीकी शिक्षा, भाषा एवं निर्वाचन उत्तराखंड सरकार श्री सुबोध उनियाल जी ने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में पशुपालन ग्रामीणों , किसानो कि आर्थिकी का मुख्य श्रोत है । दुग्ध व्यवसाय एवं बकरी पालन पर्वतीय क्षेत्र कि अर्थव्यवस्था के लिए मुख्य आधार हैं । श्री सुबोध उनियाल जी ने कहा कि पशुपालन विभाग द्वारा कोरोना महामारी एवं लम्पी स्किन डिजीज कि रोकथाम के लिए उत्कृष्ट कार्य किया गया। उत्तराखंड राज्य गठन के उपरांत पशुपालन विभाग द्वारा विभिन्न केंद्र एवं राज्य सरकार कि परियोजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया गया।

माननीय मंत्री पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, गन्ना विकास और चीनी उद्योग प्रोटोकॉल कौशल विकास और रोजगार उत्तराखंड सरकार श्री सौरभ बहुगुणा ने पशुपालन विभाग की उपलब्धियो एवं चुनोतियो पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। माननीय मंत्री ने बताया की उत्तराखंड राज्य का पशुपालन विभाग राज्य की जी.डी.पी. में लगभग 2.95 प्रतिशत का योगदान करता है। शुद्ध रूप से प्रति व्यक्ति आय में पशुपालन एवं सम्बंधित गतिविधियों द्वारा 6125.00 रुपये की आय होती है। उन्होंने कहा की प्रधानमत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने पशुपालन की ग्रामीण आर्थिकी एवं विकास में भूमिका को सदैव महत्वपूर्ण रूप से रेखांकित किया है ।

उन्होंने कहा की प्रदेश का पशुपालन विभाग विभिन्न योजनाओ के माधयम से निरंतर पशुपालको की सेवा कर रहा है। जिनमे राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय डिजिटल लाइवस्टॉक मिशन प्रमुख हैं। प्रदेश मैं चारे की समस्या को ध्यान में रखते हुए प्रदेश कैबिनेट द्वारा देश में अपनी तरह की प्रथम चारा पालिसी बनाई गयी है। प्रदेश की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखे हुए पशुपालको को द्वार पर पशुपालन सम्भंदी सेवाओं का लाभ पहुंचने के लिए 60 मोबाइल वेटरनरी यूनिट का प्राविधान किया गया है। जो की एक टोल फ्री नंबर 1962 के माध्यम से सेवा उपलब्ध करवा रही हैं

इस अवसर पर डॉ प्रवीण मालिक प्रधान वैज्ञानिक आई सी ऐ आर द्वारा लम्पी स्किन डिजीज के वैज्ञानिक पहलुओं, कारणों, रोकथाम एवं अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओ पर प्रकाश डालते हुए तकनिकी व्याख्यान दिया गया

इस अवसर पर डॉ प्रेम कुमार निदेशक पशुपालन द्वारा विभागीय योजनाओ की जानकारी दी गयी

कार्यक्रम में निदेशक पशु पालन डॉ प्रेम कुमार , अपर निदेशक कुमाऊं मंडल डॉ कर्णाटक , अपर निदेशक गढ़वाल मंडल डॉ अशोक कुमार, संयुक्त निदेशक डॉ नीरज सिंघल, उपस्थित रहे कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ कैलाश उनियाल एवं डॉ आशुतोष जोशी द्वारा किया गया ।